वेदाध्ययनम्/वेदाध्ययन
(245)
शिक्षक-अंकितमूल्यांकन-पत्रम्/
शिक्षक-अंकितमूल्यांकन-पत्र

पूर्णांका:/पूर्णांक – 20

निर्देशा : (i) सर्वे प्रश्ना: अनिवार्या:। प्रश्नानुसारम् अङ्का: समक्षे निर्देशिता:।

(ii) उत्तरपुस्तिकाया: प्रथमपृष्ठे स्वनाम, अनुक्रमांकसंख्या, शिक्षणकेन्द्रस्य नाम इति सर्वं लेखनीयम्।

निर्देश : (i) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रश्नों के अनुसार अंक सामने दिए गए हैं।

(ii) उत्तर पुस्तिका के प्रथम पृष्ठ पर अपना नाम, अनुक्रमांक संख्या, अध्ययन केंद्र का नाम लिखिए।

1. कस्यचिदेकस्य प्रश्नस्य उत्तरं 40-60 शब्देषु लिखत- 2

(क) वेदानां वैशिष्ट्यम् लिखत। (दृष्टव्य पाठ -1)

(ख) वैदिकसाहित्ये कति युगानि सन्ति। कानि च तानि। लिखत। (दृष्टव्य पाठ -2)

किसी एक प्रश्न का उत्तर 40-60 शब्दों में लिखिए-

(क) वेदों के वैशिष्ट्य के विषय में लिखिए।

(ख) वैदिक साहित्य के कितने युग हैं? उनका उल्लेख कीजिए। (दृष्टव्य पाठ-2)

2. कस्यचिदेकस्य प्रश्नस्य उत्तरं 40-60 शब्देषु लिखत- 2

(क) शुक्लयजुर्वेदभाष्यकाराणां परिचयं लिखत। (दृष्टव्य पाठ -3)

(ख) दर्शं नु... इति मन्त्रं संक्षेपेण व्याख्यायत। (दृष्टव्य पाठ -10)

किसी एक प्रश्न का उत्तर 40-60 शब्दों में लिखिए-

(क) शुक्ल यजुर्वेद के भाष्यकारों का परिचय लिखिए।

(ख) 'दर्शं नु...' इस मंत्र की संक्षेप में व्याख्या कीजिए। (दृष्टव्य पाठ-10)

3. कस्यचिदेकस्य प्रश्नस्य उत्तरं 40-60 शब्देषु लिखत- 2

(क) यमसूक्तस्य कः ऋषिः? किम् छन्दः? का च देवता? लिखत। (दृष्टव्य पाठ -11)

(ख) शुनःशेपोपाख्यानम् इत्यस्य सारं लिखत। (दृष्टव्य पाठ -12)

किसी एक प्रश्न का उत्तर 40-60 शब्दों में लिखिए-

(क) यम सूक्त के ऋषि, छंद तथा देवता का उल्लेख कीजिए। (दृष्टव्य पाठ -11)

(ख) शुनःशेप उपाख्यान का सार लिखिए।

4. कस्यचिदेकस्य प्रश्नस्य उत्तरं 100-150 शब्देषु लिखत- **4**

(क) छन्दसि रूपप्रक्रियायां लौकिकप्रक्रियातः कः भेदः? विवेचयत। (दृष्टव्य पाठ -16)

(ख) 'कृमृदुरुहिभ्यश्छन्दसि' इति सूत्रं व्याख्यायत। (दृष्टव्य पाठ -16)

किसी एक प्रश्न का उत्तर 100-150 शब्दों में लिखिए-

(क) छंद और लौकिक रूप प्रक्रिया के भेदों की विवेचना कीजिए। (दृष्टव्य पाठ-16)

(ख) 'कृमृदुरुहिभ्यश्छन्दसि' इस सूत्र की व्याख्या कीजिए।

5. कस्यचिदेकस्य प्रश्नस्य उत्तरं 100-150 शब्देषु लिखत- **4**

(क) लेटः अट् आट् एतौ आगमौ केन सूत्रेण भवतः। लिखत। (दृष्टव्य पाठ -17)

(ख) 'अन्येभ्योऽपि दृश्यते' इति सूत्रं व्याख्यात। (दृष्टव्य पाठ -17)

किसी एक प्रश्न का उत्तर 100-150 शब्दों में लिखिए-

(क) लेट, अट्, आट् और एतौ आगम किस सूत्र से होते हैं। लिखिए। (दृष्टव्य पाठ-17)

(ख) 'अन्येभ्योऽपि दृश्यते' इस सूत्र की व्याख्या कीजिए।

6. अधोलिखितेषु कमपि एकं विषयमधिकृत्य परियोजना-विवरणं लिखत।

(क) 'अष्टाध्याय्याः तृतीयचतुर्थौ अध्यायौ' इति पाठस्य केषान्चित् पञ्च सुत्राणि व्याख्यायत। (दृष्टव्य पाठ -18)

(ख) 'अष्टाध्याय्याः चतुर्थः अध्यायः' इति पाठस्य केषान्चित् पञ्च सुत्राणि व्याख्यायत। (दृष्टव्य पाठ -19)

नीचे दिए गए किसी एक विषय पर परियोजना रूप में विवरण दीजिए-

(क) 'अष्टाध्यायी का तृतीय और चतुर्थ अध्याय' नामक पाठ के किन्हीं पाँच सूत्रों की व्याख्या कीजिए। (दृष्टव्य पाठ -18)

(ख) 'अष्टाध्यायी का चतुर्थ अध्याय' नामक पाठ के किन्हीं पाँच सूत्रों की व्याख्या कीजिए। (दृष्टव्य पाठ-19)